A-0433

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

CVC-101

वैदिक ब्रह्माण्ड का परिचय

Certificate in Vedic Cosmology (CVC)

Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. पुरूष सूक्त में वर्णित सृष्टि की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

Q.2. ब्रह्माण्ड के सदस्यों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

Q.3. अद्वैत वेदान्त के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Q.4. हिरण्यगर्भ के अनुसार सृष्टि की उत्पत्ति का वर्णन कीजिए।

Q.5. स्मृति ग्रन्थों के अनुसार सृष्टि के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. न्याय–वैशेषिक के जगत विचार का वर्णन करें।

Q.2. नासदीय सूक्त का वर्णन कीजिए।

Q.3. आकाशगंगा का परिचय दीजिये।

Q.4. ब्रह्माण्ड के दोलायमान सिद्धांत का वर्णन कीजिए।

P.T.O.

Q.5. सृष्टि उत्पत्ति सूक्तों का वर्णन कीजिए।

Q.6. पुरूष सूक्त का वर्णन कीजिए।

Q.7. पुराणों में सृष्टि के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

Q.8. आचार्य भास्कर के अनुसार सृष्टि की उत्पत्ति के सिद्धांत को परिभाषित कीजिए।

****